जलागम प्रबन्धन उत्तराखण्ड

विभाग द्वारा प्रस्तावित आउटकम बजट (वर्ष 2017–18)

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले (करोड़ रु0)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
विश्व बैंक वित्त पोषित उत्तराखण्ड विकेन्द्रीकृत जलागम विकास परियोजना	परियोजना के चयनित सूक्ष्म जलागम क्षेत्र में समुदायों की भागीदारी द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग और वर्षा आधारित कृषि की उत्पादक क्षमता	172.7473 (राजस्व)	–3500 हे0 में वानिकी वृक्षारोपण	1 वर्ष	–जैव भार में 7 प्रतिशत वृद्धि	1–4 वर्ष
			178 हे0 बांज वन क्षेत्र में प्राकृतिक पुनरोत्पादन सहयोग	1 वर्ष		
			1259 हे0 क्षेत्र में औद्यानिक विकास	1 वर्ष	– फलोत्पादन से सम्बन्धित कृषकों के आय में 10 स 40 प्रतिशत तक वृद्धि	3 –5 वर्ष
			60 महिला किसान नर्सरी की स्थापना	1 वर्ष		
			1252 हे0 में नैपियर धास रोपण	1 वर्ष		
			525 हे0 चागाह विकास	1 वर्ष	– वृक्षारोपण तथा चाराविकास से लगभग 21000 मी0टन चारा उपलब्धता में वृद्धि	1–3 वर्ष
			139 हे0 कृषि खेतों में चारा उत्पादन	1 वर्ष		
			60 नैसर्गिक अभिजनन केन्द्र	1 वर्ष	दुग्ध उत्पादन में 10 से	4 से 10

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले (करोड़ रु0)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
	बढ़ाना।		की स्थापना		20 प्रतिशत वृद्धि	वर्ष
			16 पैरावेट (कृ0ग0के0) स्था0	1 वर्ष		
			1898 पशु आश्रय निर्माण	1 वर्ष		
			4721 नॉद व चरी निर्माण	1 वर्ष		
			148000 रनिंग मी0 खन्तियॉ	1 वर्ष	–वर्षाजल के तीव्र वहाव की रोकथाम से मृदा व नमी संरक्षण – स्थानीय जल श्रोतों के जलस्तर में वृद्धि	3 –4 वर्ष 3 से 4 वर्ष
			22000 घन मी0 रिचार्ज पिट	1 वर्ष		
			875 डग आउट पौण्ड	1 वर्ष		
			8006 वानस्पतिक चैकडैम	1 वर्ष		
			193700 घन मी0 मृदा एवं जल संरक्षण संरचनओं यथा ड्राई स्टोन चैकडैम, रोड साईड ईरोजन कन्ट्रोल तथा डाईवर्जन ड्रेन आदि निर्माण	1 वर्ष	लगभग 1.95 लाख घन मी0 मृदा हानि की रोकथाम जिससे 253 हे0 भूमि की उपजाऊॅ मिट्टी संरक्षित होगी।	3 से 4 वर्ष
			59400 घन मी0 जल संग्रहण क्षमता विकसित करने हेतु वर्षा जल संग्रहण	1 वर्ष	लगभग 401 हे0 असिंचित क्षेत्र में सिंचाई उपलब्धता में वृद्धि	1 वर्ष

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले (करोड़ रु0)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			टैंक, सिंचाई टैंक, एल.डी.पी.ई. टैंक तथा ग्रामीण तालाबों का निर्माण।			
			67 कि0 मी0 सिंचाई गूल निर्माण।	1 वर्ष	लगभग 187 हे0 अतिरिक्त क्षेत्र में सिंचाई सुविधा में वृद्धि	1 वर्ष
			684 हे0 क्षेत्र कृषि उत्पादकता प्रदर्शन	1 वर्ष तक	–वारीनी क्षेत्रों में फसल उत्पादन में 20 से 30 प्रतिशत वृद्धि –सिंचित क्षेत्रों में उत्पादन में 25 से 35 प्रतिशत वृद्धि – 20000 कृषकों द्वारा नवीन कृषि तकनीकी व बीजों का अंगीकरण	1 वर्ष 1 वर्ष 1 वर्ष
			684 हे0 में उच्च उत्पादकता सब्जी प्रजाति का प्रदर्शन	1 वर्ष		
			744 पौली हाउस एवं पौलिटनल स्थापना	1 वर्ष		
			1730 वायो वर्मी कम्पोस्ट पिट	1 वर्ष		
			512 ग्राम पंचायत जलागम विकास योजनाओं का कियान्वयन	1–5 वर्ष	55000 परिवार परियोजना गतिविधियों से लाभान्वित	1–5 वर्ष
			गतिविधियॉ निर्बल वर्ग निधि	1 वर्ष	3709 परिवारों हेतु	1–2 वर्ष

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले (करोड़ रु0)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			अन्तर्गत 1385 581 समूह		आंक्षिक अथवा पूर्णकालिक रोजगार के विकल्पों का सृजन	
			6 कृषि विकास सहयोग एजेंन्सी अनुबन्धित	1 वर्ष	कृषक संघो एवं इच्छुक कृषक समूहों के माध्यम से संगठित 15000 कृषक कृषि व्यवसाय गतिविधियों से लाभान्वित	1–3 वर्ष
			180 कि0 मी0 ग्रामीण सम्पर्क मार्ग का निर्माण	1 वर्ष	लगभग 11000 परिवार लाभान्वित	1–3 वर्ष
			240 सम्पर्क पुलिया निर्माण	1 वर्ष		
प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना – जलागम विकास घटक	वर्षा सिंचित सूक्ष्म जलागम क्षेत्रों के प्राकृतिक संसाधनों के उचित प्रबन्धन द्वारा	51.00	→ 1005 हें0 क्षेत्र में वानिकी वृक्षारोपण। → 996 हें0 क्षेत्र में औद्यानिकी विकास। → 690 हें0 क्षेत्र में चारा विकास।	1 वर्ष	→ जैवभार में 10 प्रतिशत बृद्वि। → फ्लोत्पादन में 10 प्रतिशत बृद्वि। → अतिरिक्त चारा उत्पादन।	3–4 वर्ष 1 वर्ष 2 से 3वर्ष

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले (करोड़ रु0)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
	प्राथमिकता के आधार पर उत्पादन बढ़ाकर ग्रामीणों की आय में वृद्धि करना है। पारम्परिक फसलों के अतिरिक्त उच्च मूल्य फसलों के उत्पादन तथा उनकी ग्रेडिंग से मूल्य संवर्धन द्वारा आय बढ़ाना, जौविक		→ 6990 चैक डैम का निमार्ण । → 1210 परकुलेशन टैक का निमार्ण। → 3595 तालाब, चाल/खाल का निमार्ण। → 400 जल संरक्षण सरंचानाओं का जीर्णोद्वार → 2300 मी0 सुरक्षा दीवार का निमार्ण। → 26000 मी0 सिंचाई गूल का निमार्ण। → 2000 हें0 क्षेत्र में उच्च उत्पादक कृषि फसलों हेतु इनपुट सपोर्ट ।		→ वर्षा जल के तीब्र बहाव की रोकथाम से मृद्वा नमी सरंक्षण। → स्थानीय जल स्रोतो के जल स्तर में सुधार। → मृदाक्षरण की रोकथाम। → 3200 हें0अतिरिक्त क्षेत्र में सिंचाई की उपलब्धता बृद्वि। → फसल उत्पादन 10% की बृद्वि।	2 से 3 वर्ष 3 से 4 वर्ष 1 वर्ष 1 वर्ष 1 वर्ष

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले (करोड़ रु0)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
	खेती के प्रोत्साहन तथा प्रबन्धन की उचित व्यवस्था करना है।		→ 532 हें0 क्षेत्र में उच्च उत्पादक मसालों की खेती हेतु इनपुट सपोर्ट । → 1000 हें0 क्षेत्र में सब्जी उत्पादक हेतु इनपुट सपोर्ट। → 325 पॉली हाउस का निमार्ण। → 3240 वर्मी कम्पोस्ट पिट का निमार्ण। → 1340 स्वयं सहायता समूहों को आजीविका गतिविधियों हेतु चक्रीय कोष उपलब्ध कराया गया।		→ उत्पादन 10% की बृद्वि। → वैमोसमी सब्जी उत्पादन से कृषकों की आय में वृद्वि। → आजीविका के संसाधनों में 20 प्रतिशत बृद्वि।	1वर्ष 1 वर्ष 1 से 2 वर्ष
योजना के लक्ष्य परियोजना की वार्षिक कार्ययोजना के अनुसार प्रस्तावित हैं।						